एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य,
प्रशासकीय भवन, ५ वीं मंजिल, डॉ. आंबेडकर उद्यान के निकट,
सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-४०० ०५१.

निम्नश्रेणी परीक्षा

वार, दिनांक
(समय-- सुबह १०.३० से १.०० बजे तक)
(कुल अंक - १००)

पहला प्रश्नपत्र--विहित पाठ्य-पुस्तक तथा कार्यरूप व्याकरण

सूचनाएँ:-

१. सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि में लिखें।
२. शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

प्र.१ ला निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग आठ-दस पंक्तियों में लिखिए। **(१५)**

(१) बाबू हरिदास के ईंटो के पजावे में मजदूर किस प्रकार काम करते थे ?

(२) हरिदास को मगनसिंह के बारे में क्या जानकारी प्राप्त हुई ?

(३) मगनसिंह के माता ने हरिदास जी से क्या निवेदन किया ?

(४) बीजक पाकर हरिदास की क्या स्थिति हुई ?

(५) तहखाना पाकर हरिदास की क्या हालत हुई ?

(६) बीजक पाने पर प्रभुदास ने क्या सोचा ?

(७) प्रभुदास ने धन प्राप्ति के लिए क्या प्रयत्न किया ?

(८) मगनसिंह को अपने पुरखों का धन कैसे मिला ?

(९) मगनसिंह दूसरे मजदूर लडकों से किस तरह अलग था ?

(१०) हरिदास मगनसिंह के घर क्यों गया ?

(११) चबूतरा खोदते-खोदते हरिदास के मन में कौन-से विचित्र भाव उठते है?

(१२) धन पाते ही प्रभुदास की हालत कैसे हुई ?

(१३) पाठ के आधार पर हरिदास का परिचय दीजिए ।

(१४) 'गुप्तधन' कहानी द्वारा प्रेमचंदजी हमें क्या संदेश देना चाहते हैं ?

(१५) पाठ के आधार पर मगनसिंह का व्यक्तिचित्रण कीजिए।

(१६) मगनसिंह के बचपन की परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

(१७) बीजक पाने के बाद हरिदास के मन की द्विधावस्था का वर्णन कीजिए।

(१८) मगनसिंह की माता हरिदास से क्यों मिलना चाहती थी ?

(१९) तहखाना पाने के लिए प्रभुदास ने क्या किया ?

(२०) मगनसिंह के घर का वर्णन कीजिए।

(२१) हरिदास के मन में उठी कुटीलता व विवेक के विचारों को अपने शब्दों में वर्णन करें ?

(२२) काकासाहब ने सहयाद्रि और उसकी नदियों के बारे में क्या बताया है

(२३) सहयाद्रि के किलों के बारे में लेखक ने क्या कहा ?

(२४) कोंकण और देश का जीवनक्रम कैसा है ?

(२५) आयुर्वेद के लिए सहयाद्रि किस प्रकार उपयोगी है ?

(२६) सहयाद्रि में कौन-कौन-सी नदियाँ और गुफाएँ हैं ?

(२७) लेखक काकासाहब कालेकर सहयाद्रि को वंदन क्यों करते हैं ?

(२८) काकासाहब ने सहयाद्रि का वर्णन किन शब्दो मे किया है ?

(२९) पश्चिम और पूर्व की नदियों के बारे में लेखक क्या बताते है?

(३०) दुर्ग का वर्णन काकासाहब ने किन शब्दों मे किया है ?

(३१) सहयाद्रि पर्वत को काकासाहब सह्य क्यों कहते है ?

(३२) लेखक ने गरूड पक्षी की संतान किसे कहां है और क्यों ?

(३३) पाठ में ही दी गई नदियों की जानकारी का अपने शब्दो में वर्णन करें ।

(३४) लेखक ने महाराष्ट्र की संस्कृति को जराजर्जर कहकर अमर स्मारक क्यों कहां है ?

(३५) काकासाहब कालेकर खुद को धन्य कब समझते हैं ?

(३६) लेखक ने अपने बचपन में असाधारण आनंद किसे कहा है ?

(३७) कोंकण और देश दोनों प्रदेशों का आवागमन कैसा है ?

(३८) सहयाद्रि का आयुर्वेद में महत्व विषद कीजिए।

(३९) सहयाद्रि और उसकी नदियों के बारे में लेखक ने क्या बताया है ?

(४०) सहयाद्रि की वनस्पतियाँ किस प्रकार उपयोगी हैं ?

(४१) सहयाद्रि की नदियों और गुफाओं का चित्रण करें ?

(४२) राष्ट्रपिता गांधीजी ने हमें क्या सिखाया ?

(४३) गांधीजी के अनुगामी होने के लिए हमें क्या करना होगा ?

(४४) जवाहरलालजी ने अपने देश को लेकर कौन-सी भावनाएँ व्यक्त की हैं ?

(४५) जवाहरलालजी ने सांप्रदायिकता व भेदभाव के संदर्भ में क्या कहा है ?

(४६) राष्ट्रपिता गांधीजी से हमें क्या सीख मिलती है ?

(४७) गांधी जयंती के अवसर पर जवाहरलालजी भाषण की शुरूआत में क्या बताते हैं ?

(४८) गांधीजी की बताई राह पर चलने के लिए क्या करना होगा ?

(४९) स्वतंत्र धर्म निरपेक्ष राष्ट्र की व्याख्या अपने शब्दों में लिखो।

(५०) सांप्रदायिकता के बारे में नेहरूजी ने अपने भाषण में क्या बताया ?

(५१) गांधीजी के विचारों पर विश्वास रखनेवाले लोगों को नेहरूजी ने क्या कहा है ?

(५२) शांति बनाए रखने के लिए गांधीजी के किन विचारों पर चलना जरूरी है ?

(५३) भाषण के अंत में पंडितजी ने क्या कहा है ?

(५४) राष्ट्रपिता पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखो।

(५५) नेहरूजी के भाषण से उभरे राष्ट्रपिता का व्यक्तिचित्रण अपने शब्दों में लिखो।

(५६) पंडितजी ने कौन-सी प्रेरणाओं को जड से उखडकर फेंकने के लिए कहां है और क्यों ?

(५७) पंडितजी के अनुसार देश का कल्याण किसमें हैं ?

(५८) गांधीजी के राहपर चलने के लिए हमें क्या करना होगा ?

(५९) सांप्रदायिकता और भेदभाव के संदर्भ में पंडितजी ने क्या कहा है ?

(६०) पंडितजी ने देश को लेकर कौनसी भावनाएँ व्यक्त की है ?

(६१) गांधीजी के अनुयायी हम किस प्रकार बन सकते हैं ?

(६२) पापा अवकाश संबंधी अपनी चिंता का निराकरण करने के लिए क्या कहने लगते ?

(६३) पापा ने अवकाश ग्रहण करने के बाद अपनी क्या दिनचर्या बना ली ?

(६४) रिटायर होने के बाद पापा के स्वभाव और व्यवहार में क्या परिवर्तन आए ?

(६५) बच्चों को बाजार साथ न ले जाने के पापा के रवैये में क्या परिवर्तन हो गया ?

(६६) शाम को बाहर जाने के लिए पापा के पुकारने पर जवान बच्चों की क्या प्रतिक्रिया हुई ?

(६७) खाने के मेज पर पापा मंटू के बचपन की कौनसी घटना सुनाने लगते ?

(६८) अवकाश - संबंधी अपनी चिंता का निराकरण करने के लिए पापा ने क्या कहा ?

(६९) छडी के बारे में पापा का क्या दृष्टिकोण था ? उसमें कब बदलाव आया ?

(७०) अवकाश ग्रहण करने के बाद पापा के स्वभाव और व्यवहार में किस प्रकार परिवर्तन हुआ ?

(७१) लेखक के पापा ने समय का कैसे स्वीकार किया ?

(७२) "बुड्ढ़ो के साथ कौन बोर हो !" मंटू की इस उक्ति की लेखक के पापा पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

(७३) पापा के मुँह से किस प्रसंग को सुनकर मंटू झेंप जाती थी ?

(७४) 'समय' कहानी के शीर्षक की यथार्थता स्पष्ट कीजिए।

(७५) 'समय' कहानी के माध्यम से यशपालजी क्या कहना चाहते हैं ?

(७६) लेखक ने पापा के माध्यम से क्या संदेश दिया है ?

(७७) 'समय' इस कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(७८) नौकरी करते समय अवकाश का महत्व यशपालजी किन शब्दों में व्यक्त करते हैं ?

(७९) अम्मी-पापा के साथ बाजार जाने के प्रसंग को अपने शब्दों में वर्णन करे ।

(८०) छडी के माध्यम से लेखक ने समय को किस प्रकार जोडा है ?

(८१) रिटायर होने के बाद पापा ने अपनी दिनचर्या की क्या योजना बनायी थी ?

(८२) जवान बच्चों की शाम को बाहर जाने के लिए पापा ने पुकारने पर क्या प्रतिक्रया हुई ?

(८३) नए मेहमान के आगमन पर अजय क्यों नाराज हुआ ?

(८४) जाली के कारण पहली रात अजय के घर के लोग किस तरह परेशान हुए ?

(८५) अजय को ऐसा क्यों लगा कि उसने कोई बहुत बड़ा काम कर लिया है ?

(८६) जाली से अजय की दोस्ती कैसे बढ़ी ?

(८७) जाली के जाने पर अजय ने क्या सोचा ?

(८८) अजय के घर के लोग जाली के कारण पहली रात में किस तरह परेशान हुए ?

(८९) अजय की दोस्ती जाली से कैसे बढ़ी ?

(९०) अजय ने जाली के जाने पर क्या सोचा ?

(९१) अजय नए मेहमान के आगमन पर क्यों नाराज हुआ ?

(९२) बहुत बड़ा काम कर लिया है ऐसा अजय को क्यों लगा ?

(९३) मेहमान की वापसी कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखें ।

(९४) जाली और अजय की पहली मुलाकात का वर्णन करें।

(९५) जाली एक मुसीबत ऐसा अजय और मम्मी को क्यों लगता था ?

(९६) अजय और जाली के दोस्ती का चित्रण करें।

(९७) जाली के घर आने पर घरवालों को किन परेशानियों का सामना करना पड़ा ?

(९८) जाली के अचानक जाने पर अजय पर छायी उदासी का वर्णन अपने शब्दों में करें ।

(९९) जाली के आगमन पर अजय के घर में नाराजगी क्यों थीं ?

(१००) अजय के घर पर जाली की पहली रात का वर्णन करें।

(१०१) जाली के प्रतिअजय के पापा का बर्ताव कैसा था ?

(१०२) जाली का अजय के प्रति प्यार किस घटना से दिखाई पड़ता है ?

(१०३) 'मेहमान की वापसी' कहानी का सार संक्षेप में लिखें।

प्र.२ रा निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **आठ** प्रश्नों कें उत्तर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए। **(१६)**

(१) मगनसिंह के घर कौन-कौन थे ?

(२) मगनसिंह की माँ को बीजक कहाँ मिला ?

(३) बीजक के अनुसार धन कहाँ था ?

(४) रूग्णावस्था में हरिदास को बार-बार क्या भ्रम होता था ?

(५) लोहे की संदूक में कितनी मुहरें थी ?

(६) बाबू हरिदास का ईंटो का पजावा (भट्टा) कहाँ था ?

(७) मजदूर अपनी शक्ति से अधिक काम क्यों करते थे ?

(८) कैन परिश्रम और धैर्य के साथ काममें लगा हुआ था ?

(९) हरिदास को मगनसिंह पर दया क्यों आती थी ?

(१०) हरिदास ने पैसेवाले से क्या अधिक देने को कहा ?

(११) मगनसिंह के घर में कैन-कौन थे ?

(१२) मगनसिंह काम करने लिए कहाँ से आया करता था ?

(१३) मगनसिंह के यहाँ क्या काम होता था ?

(१४) मगनसिंह को कौन मारना चाहता था ?

(१५) बाबू हरिदास ने मगनसिंह को मजदूरों की श्रेणी से उठाकर कहाँ रख लिया ?

(१६) मगनसिंह कैसा लडका था ?

(१७) बाबू हरिदास को मगनसिंह के लिए क्यों चिंता हुई ?

(१८) बाबू हरिदास ने मुँशी को मगनसिंह के लिए किस बात की ताकीद दी ?

(१९) मगनसिंह ने हरिदास को देखते ही क्या कहा ?

(२०) मगनसिंह की वृध्द माँ कहाँ पर पड़ी हुई कराह रही थी ?

(२१) बाबू हरिदास को मगनसिंह का घर देखकर कैसा महसूस हुआ ?

(२२) मगनसिंह की माँ ने किसको उनकी आहट से पहचान लिया ?

(२३) मगनसिंह की माँ को बीजक कहाँ मिला ?

(२४) बीजक के अनुसार धन कहाँ था ?

(२५) बीजक के मिलते ही हरिदास के मन में क्या इच्छा उत्पन्न हुई ?

(२६) रूग्णावस्था में हरिदास को बार-बार क्या भ्रम होता था ?

(२७) हरिदास के मृत्यु के बाद बीजक किसको मिला ?

(२८) प्रभुदास ने तहखाने की चट्टान को कैसे उड़ाया ?

(२९) लोहे की संदूक में कितनी मुहरें थी ?

(३०) प्रभुदास में किसको देखकर रक्त का संचार हुआ ?

(३१) लेखक अपने को 'सह्यपुत्र' क्यों कहते हैं ?

(३२) सहयाद्रि के कारण महाराष्ट्र के कौनसे दो विभाग हुए हैं ?

(३३) लेखक के बचपन का असाधारण आनंद क्या था ?

(३४) जहाँ नदी का उगम है, वहाँ साधु-संत क्या ढूँढने के लिए गए ?

(३५) सहयाद्रि ने किन भाषाओ के लोगों को आश्रय दिया ?

(३६) कालेलकरजी ने किसको वंदन किया है ?

(३७) लेखक ने किसे भारत की पश्चिमी रीढ़ कहा है ?

(३८) कृष्णा के किनारे जन्म होने के कारण लेखक अपने को क्या कहलाते है ?

(३९) दुर्ग किसे कहते है ?

(४०) सहयाद्रि किससे सुशोभित है ?

(४१) सहयाद्रि के शिखर की उँचाई कितनी है ?

(४२) कोंकण विभाग के लोग देश पर क्यों जाते हैं ?

(४३) देश के जवामर्द लोग कोकण के बंदरों में क्यों जाते है ?

(४४) लेखक के बचपन का असाधारण आनंद क्या था ?

(४५) परदेशी सहयाद्रि से ईर्ष्या क्यों करते हैं ?

(४६) मराठी साहित्य में किसका वर्णन मिलता है ?

(४७) अखिल भारतीय साहित्य में किसका वर्णन पाया जाता है ?

(४८) कौन-से स्थान महाराष्ट्र की संस्कृति के अमर स्मारक माने जाते हैं ?

(४९) जहाँ नदी का उद्‌गम है, वहाँ साधु-संत क्या ढूँढने के लिए गए ?

(५०) सहयाद्रि ने किन भाषाओ के लोगों को आश्रय दिया ?

(५१) किस पर्वत को सहयाद्रि का उपनिवेश माना जाता है ?

(५२) कालेलकरजी कब अपने को धन्य समझेंगे ?

(५३) कालेलकरजी का पूरा नाम क्या है ?

(५४) सहयाद्रि किसका स्वागत करता है ?

(५५) पश्चिम सागर किसका अभिषेक करता है ?

(५६) पर्वतपुत्र कब आनंदविभोर हो जाते हैं ?

(५७) सहयाद्रि की नदियाँ क्या नहीं भूलती हैं ?

(५८) काकासाहब ने घाटियों की यात्रा किससे की है ?

(५९) 'सहयाद्रि को वंदन' पाठ के लेखक कौन है ?

(६०) गरूड़ पक्षी की संतान किसे कहा जाता है ?

(६१) हमने किस ढंग से अपने देश की स्वतंत्रता प्राप्त की ?

(६२) दूसरी शक्तियाँ हमें कहाँ ले जा रही हैं ?

(६३) जवाहरलालजी को किन बातों पर बड़ा गर्व है ?

(६४) जवाहरलालजी की अटल धारणा क्या है ?

(६५) कौन-सी प्रेरणाओं को लेखक ने जड़ से उखाड़कर फेंकने के लिए कहा है ?

(६६) जवाहरलालजी के अनुसार देश का कल्याण किसमें है ?

(६७) आज का दिन किसकी स्मृति के लिए समर्पित है ?

(६८) प्रधानमंत्रीजी किसकी हैसियत से और कहाँ भाषण कर रहे थे ?

(६९) जवाहरलाल नेंहरूजी किसकी लंबी यात्रा के मुसाफिर रहे हैं ?

(७०) पंडितजी ने भारत की और सत्य की सेवा का सबक किसके चरणों में बैठकर सिखा ?

(७१) नेहरूजी किन बातों पर चर्चा करनेवाले थे ?

(७२) गांधीजी ने सार्वजनिक जीवन और अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार में कैसा व्यवहार रखना बताया ?

(७३) महात्मा गांधी ने हमें कैसा गौरव सिखाया ?

(७४) महात्मा गांधी ने हमें कैसा रास्ता दिखाया ?

(७५) गांधीजी के नेतृत्व में हमने किस प्रकार की स्वतंत्रता प्राप्त की ?

(७६) मुक्ति पाने के बाद हम किस रास्ते पर चल दिए ?

(७७) आज हम बच्चों की तरह क्या बात करते है ?

(७८) महात्मा गांधीजी ने किन करणों से प्राण दिए ?

(७९) महात्मा गांधीजी के संदेश के अनुसार जीवन के लक्ष्य से हम कितने दूर है ?

(८०) कोन-सी शक्तियाँ हमें विपरित दिशा में ले जा रही है ?

(८१) सारे संसार में किसके बीच संघर्ष चल रहा है ?

(८२) पंडितजी को किन बातों पर बड़ा गर्व है ?

(८३) भारत किस दृष्टि से विशाल है ?

(८४) भारत वर्ष का अतीत कैसा है ?

(८५) हम कैसा राष्ट्र बना रहे है ?

(८६) भारत वर्ष में सबको कैसा अवसर प्राप्त है ?

(८७) पंडितजी किसके बिल्कुल खिलाफ थे ?

(८८) पंडितजी के अनुसार हमें किस तरह रहना चाहिए ?

(८९) गांधीजी के विचारों पर विश्वास रखनेवालों से नेहरूजी क्या आशा रखते हैं ?

(९०) पंडितजी के अनुसार देश का कल्याण किसमें है ?

(९१) रिटायर होने के पहले ही से पापा के मन में कौन-सी चिंता सिर उठाने लगी ?

(९२) पापा के मन में किस बात से सदा विरक्ति रही है ?

(९३) रिटायर होने पर पापा ने पहाड़ जाना क्यों छोड दिया ?

(९४) पापा छडी को किस तरह हाथ में लिए रहते ?

(९५) पापा शापिंग के लिए किसको साथ ले जाते थे ?

(९६) बाजार में पापा बच्चों को डाँटते धमकाते क्यों नहीं थे ?

(९७) पापा के मन में किस बात की विरक्ति रही है ?

(९८) सर्विस के समय गर्मियों के महीने में पापा को कहाँ रह लेने का बहुत शौक था ?

(९९) शरीर पर मांस अधिक चढ़ने की आशंका होने पर पापा क्या आरंभ कर देते ?

(१००) बाजार में पापा बच्चों को डाँटते धमकाते क्यों नहीं थे ?

(१०१) छड़ी टेककर चलना पापा के विचार में किसका चिह्न था ?

(१०२) पापा का क्या कायदा था ?

(१०३) अवकाश प्राप्ति के कुछ महिने पूर्व ही पापा ने क्या योजना बना ली थी ?

(१०४) सर्विस के समय पापा को क्या काम पसंद था ?

(१०५) लखनऊ लौटने पर बाजार या सैर के लिए जाते तो उनके हाथ में क्या नहीं रहती थी ?

(१०६) पापा संध्या के समय हजरतगंज क्यों जाते थे ?

(१०७) पहले पापाजी को कैसी चीजों का शौक रहता था ?

(१०८) पापा पहले अपनी पोशाख कैसे रखते थे ?

(१०९) अम्मी खीझकर क्या कहती है ?

(११०) पापाजी बच्चों को कहाँ भेज देते है ?

(१११) पापाजी अपने शौक को किसमें पूरा होते देख संतोष पाते हैं ?

(११२) पापाजी ने अपने व्यक्तित्व का काम किसमें कर लिया है ?

(११३) पापा के किस रवैये में परिवर्तन होता है ?

(११४) अम्मी अब क्या करने से कतराती हैं ?

(११५) पापा को कब गर्व अनुभव होता होगा ?

(११६) पापा को हजरतगंज जाने पर किसके लिए कहना नहीं पडता है ?

(११७) पापाजी क्या प्रस्ताव देते हैं ?

(११८) पापा को बुढों तथा बुजुर्गों की अपेक्षा किसकी संगति अधिक पसंद है ?

(११९) पापा को अधिक देर पढ़ने से क्या अनुभव होने लगता है ?

(१२०) लेखक का मन किस यात्रा वर्णन में गहरा रमा हुआ था ?

(१२१) लेखक को आहट से क्या अनुमान हो रहा था ?

(१२२) 'समय' कहानी के लेखक का क्या नाम है ?

(१२३) जाली अजय के ंघर कितने दिनों का मेहमान था ?

(१२४) राय अंकल की चिट्ठी के जवाब में पापा ने क्या लिखा है ?

(१२५) अजय किस बात को भूल ही गया था ?

(१२६) कुत्ते की क्या विशेषता होती है ?

(१२७) अजय की सारी शिकायतें किसमें बह गई थीं ?

(१२८) अजय किस तरह घर में घुसा ?

(१२९) बरामदे में कौन बैठा था ?

(१३०) जाली ने अपना कौनसा पंजा उठाया ?

(१३१) राय अंकल ने जाली की दोस्ती किससे करा दी ?

(१३२) अजय ने किससे राक्षस कहा है ?

(१३३) जाली अजय के ंघर कितने दिनों का मेहमान था ?

(१३४) अजय की जान किस कारण निकली जा रही थी ?

(१३५) मेहमानों के सामने क्या बनाए रखने के लिए अजय ने अपना हाथ जाली के सामने बढा दिया ?

(१३६) मि. राय को जाली को अजय के यहाँ क्यों छोडना पड़ा ?

(१३७) एक बोरी आटा किसके लिए आया था ?

(१३८) रात को जाली को खाने में क्या दिया गया ?

(१३९) बंद दरवाजे से किसकी करूण आवाज आती रही ?

(१४०) अजय के पापा ने झल्लाकर क्या कहा ?

(१४१) अजय की क्या इच्छा थी ?

(१४२) अजय के मम्मी झल्लाकर क्या कह रही थी ?

(१४३) अजय के पापा ने भुनभुनाते हुए क्या किया ?

(१४४) अजय की मम्मी किसके डर के मारे चुपचाप पड़ी रही ?

(१४५) पिछली छुट्टियों में अजय कहाँ गया था ?

(१४६) रायपुर पहुँचने पर अजय को किसकी याद आई थी ?

(१४७) जाली कोने में किस तरह बैठा था ?

(१४८) अजय जाली के पास कब तक बैठा रहा ?

(१४९) अजय के स्नेह भरे स्पर्श ने कौनसा काम कर दिया था ?

(१५०) सुबह जाली ने अजय का स्वागत किस तरह किया ?

(१५१) अजय ने सारी कालोनी में क्या खबर फैला दी ?

(१५२) जाली अजय की अगवानी कैसे करता था ?

(१५३) जाली अजय के यहाँ क्या बनकर आया था ?

(१५४) अजय के बरामदे का कोना कैसा लग रहा था ?

(१५५) जाली के चले जाने पर अजय ने उसे कैसे कुत्ते की संज्ञा दी ?

(१५६) राय अंकल की बात पूरी होने से पहले ही जाली किस तरह घर में घुसा ?

(१५७) जाली अजय के पैरो से किस तरह लिपट गया ?

(१५८) 'मेहमान की वापसी' पाठ की लेखिका का क्या नाम है ?

प्र.३ रा निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग आठ-दस पंक्तियों में लिखिए। **(१४)**

(१) तुकडोजी के अनुसार विद्वान का सच्चा कर्म क्या है ?

(२) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज ने जीवित मानव की क्या पहचान बताई है ?

(३) तुकडोजी 'वीर' किसे कहते है ?

(४) तुकडोजी के अनुसार 'मस्त' कौन है ?

(५) 'बोधामृत' काव्य के संदेश को स्पष्ट कीजिए।

(६) तुकडोजी के अनुसार सच्चे इन्सान की क्या पहचान है ?

(७) तुकडोजी के अनुसार सच्चा मनुष्य कहलाने के लिए क्या जरूरी नहीं है ?

(८) तुकडोजी सच्चा खिलाडी किसे कहते है ?

(९) मनुष्य का कर्म कब सच्चा नहीं होता ?

(१०) तुकडोजी महाराज किस व्यक्ति को जीवित समझते है ?

(११) क्या तुकडोजी महाराज संवेदहीन शिक्षित मनुष्य को जीवित समझते हैं ? क्यों ?

(१२) तुकडोजी किसे भाग्यशाली मानते है ?

(१३) तुकडोजी की मानवता के बारे में क्या राय है ?

(१४) 'बोधामृत' कविता के द्वारा कवि ने सच्चे कर्म का संदेश दिया है, स्पष्ट कीजिए

(१५) अपने पति सिद्धार्थ 'बुद्ध' के आने की खबर सुनकर यशोधरा क्यों विचलित हो जाती है ?

(१६) मानिनी यशोधरा 'रे मन, आज परीक्षा तेरी', ऐसा क्यों कहती है ?

(१७) कवि यशोधरा को मानिनी यशोधरा' क्यों कहते हैं ?

(१८) मानिनी यशोधरा अपने मन से क्या विनती करती है और क्यों ?

(१९) यशोधरा गौतम बुद्ध के स्वागत के लिए क्यों जाना नहीं चाहती ?

(२०) यशोधरा के रूप में गुप्तजी ने भारतीय नारी का कौन-सा रूप प्रस्तुत किया है ?

(२१) यशोधरा अपने मन को क्यों नियंत्रित करना चाहती है ?

(२२) यशोधरा ने 'बुद्ध' का स्वागत न करने का निश्चय क्यों किया ?

(२३) यशोधरा किस असमंजस में पड़ी है ?

(२४) आपकी राय में क्या यशोधरा को 'बुद्ध' के स्वागत के लिए जाना चाहिए था ?

(२५) यशोधरा 'बुद्ध' से क्यों नाराज है ?

(२६) प्रस्तुत कविता के आधार पर यशोधरा का चरित्र चित्रण कीजिए।

(२७) यशोधरा के रूप में आप नारी का कौन-सा रूप पाते है ?

(२८) प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि क्या आप यशोधरा की राय से सहमत है ? क्यों ?

(२९) यशोधरा एक 'मानिनी पतिव्रता' है, ऐसा कवि ने क्यों कहा है ?

(३०) सुभद्राकुमारी चौहान ने अपनी बालिका का परिचय किस तरह दिया है ?

(३१) सुभद्राकुमारी चौहान ने अपनी बालिका में कौन से गुण देखे हैं ?

(३२) बालिका कवियित्री के जीवन में किस प्रकार महत्व रखती है ?

(३३) 'बालिका का परिचय' कविता के आधार पर कवियित्री के वात्सल्य का वर्णन कीजिए।

(३४) कवियित्री बालिका में किसका रूप देखती है ?

(३५) कवियित्री का अपनी बालिका के प्रति क्या दृष्टिकोण है ?

(३६) सुभद्राकुमारी चौहान के लिए उनकी बेटी का महत्व क्या है ?

(३७) कवियित्री ऐसा क्यों कहती है कि बालिका का परिचय पूछने का अधिकार केवल एक माता को है ?

(३८) बालिका कवियित्री के लिए क्या है ?

(३९) अपनी बेटी में कवियित्री किस प्रकार अपना रूप देखती है ?

(४०) कवियित्री सुभद्राकुमारी चौहान को अपनी नन्ही बेटी किस प्रकार सर्वगुण संपन्न दिखाई देती है ?

(४१) 'बालिका का परिचय' में कवियित्री के किस भाव के दर्शन होते हैं स्पष्ट कीजिए ?

(४२) बालिका में किसकी क्षमाशीलता है ?

(४३) बालिका को आँगन में खेलते देख कवियित्री को क्या लगता है ?

(४४) मकई के दाने किसान के घर जाकर क्या करेंगे ?

(४५) किसान मकई के दानों को घर ले जाएगा तो क्या होगा ?

(४६) मकई के दाने किसान के घर क्यों जाना चाहते है ?

(४७) 'दाने मकई के' कविता के आधार पर किसान की पारिवारिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

(४८) मकई के दाने किसान के घर में किस प्रकार खुशियाँ लायेंगे ?

(४९) मकई के दाने किस के प्रतीक हैं ?

(५०) किसान की इज्जत किससे है ? कैसे ?

(५१) तैयार फसल घर ले जाने में भलाई क्यों है ?

(५२) अनाज के दाने के बिना किसान की स्थिति कैसी है ?

(५३) मकई के दाने किस तरह किसान को इज्जतदार बनायेंगे ?

(५४) किसान के पास मकई के दाने होने पर वह किस प्रकार निश्चिंत होगा ?

(५५) कवि ने मकई के दाने के माध्यम से क्या प्रस्तुत करना चाहा है ?

(५६) 'मकई के दाने' इस कविता में कवि क्या बताना चाहता है ?

(५७) 'मकई के दाने' शीर्षक की कविता में कवि ने किसान की दशा का बखान किस तरह किया है ?

(५८) 'मकई के दाने' में निलय उपाध्याय ने मक्के का मानवीकरण किया है - स्पष्ट कीजिए।

प्र.४ था निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में से किन्हीं **पांच** रिक्त स्थानों की पूर्ति पाठ्य-पुस्तक के आधार पर कीजिए। **(५)**

(१) यद्यपि हो विद्‌वान या ----------, कर्म न उसका सच्चा है।

(२) सबकी ---------- को पहिचाने, सब पर प्रेम सरीखा हो।

(३) वहि ---------- जीवित है समझो, यद्यपि नहिं कुछ सीखा हो।

(४) जिधर-उधर है प्रेम बहाता, सबसे प्रेम का ---------- है।

(५) किसी पर ---------- आए दौड़कर, तन-मन से सेवाकरता।

(६) वहीं '----------' समझा जाता, जों मौत पडे पर नहिं डरता।

(७) 'मस्त' वह ही जो सुख-दुख झेले, ---------- जीवन का।

(८) तुकड्यादास कहे यह ----------, जो पावे वहि किस्मत का।

(९) दीन-दलित- दुःखी जनता में, जिसका ---------- न पहुँचा है।

(१०) कभी किसी का दिल न दुखे, यह ---------- से जिसको भाता हैं।

(११) रे मन, आज ---------- तेरी।

(१२) विनती करती हूँ, मैं तुझसे, ---------- न बिगडे मेरी।

(१३) लोभ न था, जब ---------- न यह था ; सुन अब स्वागत मेरी।

(१४) दो पग आगे ही वह ---------- है, अवलंबित जिस पर जीवन है।

(१५) यदि वो चल आए हैं इतना, तो दो ---------- उनको है कितना ?

(१६) सब अपना सौभाग्य मनाऐं, दरस-परस, ---------- पाएँ।

(१७) उद्‌घाटक चाहें तो आएँ, यहीं रहे यह ---------- ।

(१८) अब तक जो तेरा ---------- था, बस अभाव के कारण वह था।

(१९) यह मेरी ---------- की शोभा, सुख सुहाग की है लाती।

(२०) शाही शान ---------- की है, मनोकामना मतवाली।

(२१) दीपशिखा है अंधकार की, बनी ---------- की उजियाली।

(२२) ---------- है यह कमल-भृंग की, है पतझड़ की हरियाली।

(२३) सुधाधार यह निरस दिल की, मस्ती गगन ---------- की।

(२४) वही मचलना, वहि किलकना हँसती हुई ---------- है।

(२५) कौशल्या के ---------- को अपने ही मन में लेखो।

(२६) जीवदया ---------- गौतम की, आओं देखो इसके पास।

(२७) जीवन ज्योति ---------- नयनों की, सच्ची लगन मनस्वी की।

(२८) बीते हुए बालपन की यह ---------- वाटिका है।

(२९) मेरा मंदिर, मेरा मसजिद, ---------- यह मेरी।

(३०) पूजा पाठ, ध्यान-जप, तप है ---------- वासी यह मेरी।

(३१) ---------- की क्रीडाओं को अपने आँगन में देखो।

(३२) प्रभु ईसा की क्षमाशीलता, ---------- का विश्वास।

(३३) ---------- पूछ रहे हो मुझसे, कैसे परिचय दूँ इसका।

(३४) सुनो, हमें घर ले चलो, हम ---------- हैं मकई के।

(३५) हम तुम्हारा घर ---------- से भर देंगे।

(३६) हम तुम्हारे चेहरे का ---------- बदल देंगे।

(३७) तुम्हारी पत्नी ---------- में हमें टाँकेगी।

(३८) तुम्हारे बच्चे को ---------- थमाएँगे हम।

(३९) हम रहेंगे-- ---------- तुम्हें उधार देगा।

(४०) हम रहेंगेझतुम डाँट देना ---------- को।

(४१) इन खेतों में फिर आएँगे ----------।

(४२) और हम फिर सींचेंगे तुम्हारी ----------।

(४३) ले चलो, नहीं तो ---------- देगी हमें धूप।

(४४) हम तुम्हें ---------- से आदमी बना देंगे।

प्र.५ वा निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग आठ-दस पंक्तियों में लिखिए। **(१२)**

(१) कौए ने आगंतुक हंसों के सामने कैसा व्यवहार किया ?

(२) हंसों ने कौए की हरकत का सामना किस प्रकार किया ?

(३) युवक हंस ने कौए को किस प्रकार सबक सिखाया ?

(४) 'हंस और कौआ' लोककथा का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए।

(५) हंस और कौआ लोककथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(६) आगंतुक हंसों के सामने कौए ने कैसा बरताव किया ?

(७) कौए की हरकत का सामना आगंतुक हंसों के कैसा किया ?

(८) कौए को युवा हंस ने किस प्रकार सबक सिखाया ?

(९) हंस विश्राम करने के लिए कहाँ बैठे ? वे कैसे दिखते थे ?

(१०) कौआ कैसा था ? हंसों को देखकर उसने क्या किया ?

(११) कौआ अपने उडानों के बारे में किस प्रकार डींग हाँकता था ?

(१२) हंसों को देखकर कौए ने क्या किया और वह कैसा था ?

(१३) हंस कैसे दिखते थे और वह विश्राम करने के लिए कहाँ बैठे थे?

(१४) हंस और कौआ इस लोककथा में प्रभात और हंसों का वर्णन किन शब्दों में किया है ?

(१५) हंस और कौआ इस लोककथा में कौए का वर्णन किन शब्दों में किया है और हंसों को देखकर कौए ने क्या किया ?

(१६) हंस और कौए का प्रथम वार्तालाप किन शब्दों में हुआ है ?

(१७) हंस ने कौए को अपनी पीठ पर से उडान क्यों भरी ?

(१८) 'हंस और कौआ' इस लोककथा से हम तक कौनसा संदेश पहुँचता है ?

(१९) हंस और कौआ इस लोककथा के माध्यम से हंस और कौए के कोनसे स्वभाव विशेष दिखाई पडते है ?

(२०) हंस ने कौए का किस प्रकार गर्वहरण किया ?

(२१) हंस और कौए की आखिरी उडान अपने शब्दों में लिखिए।

(२२) हंस की दयालुता और कौए की नीचता अपने शब्दों में लिखिए।

(२३) कौए की अशिष्टता का चित्रण करे।

(२४) राजा को किस बात का अभिमान था ? क्यों ?

(२५) राजा महात्मा के पास क्यों गया ?

(२६) साधु ने राजा के दादा की कौन-सी कहानी बताई ?

(२७) स्वर्ण-घट फिर से जमीन में क्यों गाडा गया ?

(२८) किसानों के बेटे स्वर्ण घट को लेकर क्या सोच रहे थे ?

(२९) राजा के पिता के मन में स्वर्ण-घट को लेकर कौनसे विचार उठे ?

(३०) विद्यमान राजा के राज्य के बारे में महात्मा ने कौनसी टिप्पणी की ?

(३१) तीन पीढी का राज्य लोककथा का सारांशअपने शब्दों में लिखिए।

(३२) किस बात काअभिमान राजा को था और क्यों ?

(३३) महात्मा के पास राजा क्यों गये ?

(३४) राजा के दादा की कौनसी कहानी साधु ने बताई ?

(३५) जमीन में स्वर्ण-घट क्यों गाडा गया ?

(३६) स्वर्ण घट को लेकर किसानों के बेटे क्या सोच रहे थे ?

(३७) स्वर्ण-घट को लेकर राजा के पिता के मन में कौनसे विचार उठे ?

(३८) महात्मा ने विद्यमान राजा के राज्य के बारे में कौनसी टिप्पणी की ?

(३९) राजा साधु महाराज के पास किस हेतु आया था ?

(४०) राजा के मन में क्या जानने की इच्छा हुई ? क्यों ?

(४१) पहले किसान के बेटे को स्वर्ण-कलश का धन क्यों नहीं मिल पाया और दूसरे किसान के बेटे ने उस धन का क्या उपयोग किया ?

(४२) किसान के बेटे ने राजा के पिता के भेजे हुए आदमी से क्या कहा और उसे सुनकर राजा के पिता पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

(४३) महात्माजी की टिप्पणी से वर्तमान राजा का अभिमान कैसे दूर हुआ ?

(४४) राजा के पिताजी के काल में जमीन से मिले धन के बारे में किसान के बेटे की क्या सोच थी?

(४५) दूसरे किसान के बेटे ने राजा के पिता को धन पर हक मेरा है यह बात किस प्रकार समझाई ?

(४६) अच्छी राज्य व्यवस्था किसे मानी जाती है ?

(४७) राजा साधु महाराज के पास किस हेतु आया था ?

प्र.६ ठा निम्नलिखित मुहावरें में से किन्ही **तीन** के अर्थ लिखकर मुहावरों का सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए। **(९)**

१. विष का घूँट पीना
२. कचूमर निकाल देना
३. मुँह फेर लेना
४. जड़ से उखाड देना
५. पानी पानी होना
६. सिर मारना
७. आपे से बाहर होना
८. रोंगटे खड़े होना
९. ठाठें मारना
१०. अपनी खिचड़ी अलग पकाना
११. हामी भरना
१२. दिन दूना रात चौगुना
१३. खाने के लाले पड़ना
१४. दूध में मक्खी पड़ना
१५. खून का घूँट पीकर रह जाना
१६. पानी फेरना
१७. चिकना घड़ा
१८. लाख धुर्पट रचना
१९. दुधारू गाय की दो लातें सहना
२०. पिड़ छुड़ाना
२१. त्यौरियों पर बल पड़ना
२२. रंग जमाना
२३. अपने पैरों पर खड़ा होना
२४. पेट में चूहे दौड़ना
२५. आँखों में धूल झोंकना
२६. दूध में मक्खी पड़ना
२७. गला फाड़ना
२८. खाने के लाले पड़ना
२९. कुप्पा होना
३०. बिजली गिरना
३१. मुँह को ताला लगाना
३२. बात काटना
३३. कलेजा धक्-सा रह जाना
३४. चेहरे का रंग उड़ जाना
३५. चैन की साँस लेना
३६. चूना लगाना
३७. जान खा जाना
३८. जी उबना
३९. अपने पैरों पर खड़ा होना
४०. आभास हो जाना

४१. स्तब्ध रह जाना
४२. देखते ही रह जाना
४३. आँखे चमक उठना
४४. आडे हाथों लेना
४५. टांग अडाना
४६. हाथ मलना
४७. लोहू पीना
४८. नीचा दिखाना
४९. होश उड़ जाना
५०. पाई-पाई बचाना
५१. बाला बाँका न होना
५२. सब्र का घूँट पीना
५३. ताक पर रखना
५४. कान न देना
५५. दाँत निपोरना
५६. तूल देना
५७. चूना लगाना
५८. छठी का दूध याद आना
५९. जी भारी होना
६०. हाथ साफ करना
६१. जान खा जाना
६२. कोल्हू का बैल बन जाना
६३. तमतमा जाना
६४. बात काटना
६५. त्यौरी चढ़ना
६६. पैसे के टट्टू बनना
६७. बिलख-बिलख कर रोना
६८. ताँता बाँधना
६९. आकाश के तारे तोड़ना
७०. प्रतीक्षा करना
७१. चल बसना
७२. नाम रोशन करना
७३. जोखिम उठाना
७४. जान न्यौछावर करना
७५. संकोच करना

प्र. ७ वा निम्नलिखित क्रियाओं में से किन्ही **दो** सहायक क्रिया के रूप में ही अपने सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए। प्रत्येक के लिए स्वतंत्र वाक्य लिखिए। **(४)**

१. दिया
२. पड़ना
३. जाना
४. होना
५. लगना
६. आना
७. सकना
८. रहना
९. लेना
१०. बनाना
११. होना
१२. बैठना
१३. उठना
१४. गिरना
१५. डालना
१६. बचाना
१७. सुनाना
१८. बँधना
१९. छुडवाया
२०. करवाना
२१. दिखाना
२२. घुमाना
२३. धुलाना
२४. रूकाना
२५. सिलाना
२६. भिजवाना
२७. लगवाना
२८. बनाना
२९. लिखना
३०. खिलाना
३१. पिटवाना
३२. पिलाना
३३. भगाना
३४. पिसवाना
३५. दिलाना
३६. भिगाना
३७. उठी
३८. जलवाना
३९. दिखवाना
४०. सजना
४१. पाना
४२. पड़ना
४३. पीना
४४. गाना
४५. रोना
४६. छिपना
४७. फैलना
४८. निकलना
४९. टपकना
५०. बसना
५१. भूलना
५२. गढ़ना
५३. उलझना
५४. बहलना
५५. बिछना
५६. खरीदना
५७. खाना
५८. मिटना
५९. रीझना
६०. भूलना

प्र.८ वा निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे हैं ? (कोई **चार**) **(४)**

१. "अम्मा आजकल बहुत बीमार है, कहती है अब न बचूँगी।"

२. "गाँव वाले तुम्हारी कुछ मदद नहीं करते।"

३. "उनका वश चले तो मुझे मार डालें।"

४. "तुम्हारी माँ ने इस विषय में तुमसे कुछ न कहा ?"

५. "इसे कुछ पढ़ना लिखना सिखाइए।"

६. "रुपये होते तो अम्मा इतनी तकलीफ क्यों उठाती।"

७. "आप आ गए बड़ी दया की।"

८. "मेरे अनाथ बालक के नाथ अब आप ही है।"

९. "पजावे चलिएगा ? गाडी तैयार कराऊँ।"

१०. "आपके दर्शनों की बडी अभिलाषा थी।"

११. "नहीं आज मैं न चलूँगा, तबीयत अच्छी नहीं है।"

१२. "कई दिन से आए क्यों नहीं, माता का क्या हाल है।"

१३. "आपके सिवा मुझे किसी पर विश्वास न था।"

१४. "अवसर मिले तो उसे खुदवा डालिएगा।"

१५. "जैसे आपने अब तक उसकी रक्षा की, वह निगाह उस पर सदैव बनाए रखिएगा।"

१६. "एक जग पानी भिजवा दें।"

१७. "कोई है हजरतगंज की सवारी।"

१८. "है कोई चलने वाला"

१९. "मंटू जाओ, पापा के साथ घूम आओ।"

२०. "तुम भी क्या दीदी ---- बोर बुढ्ढों के साथ कौन बोर हो। "

२१. "तुम लोग भी घूम आओ।"

२२. "सुनो अम्मी पापा के साथ बाजार जा रही है। "

२३. "देखो कुंजडे के यहाँ ताजे नरम सिंघाडे हों तो इन दोनों को दे देना।"

२४. "जी आइए मैं चल रहा हूँ।"

२५. "कभी बच्चों को भी ------ तो -------- साथ --------- ले जाना चाहिए।"

२६. "आ मंटू तेरा फ्राक बदल दूँ।"

२७. "सुनो, कई बार पहाड़ से छड़ियाँ लाए हैं, तो कोई एक तो दो।"

२८. "अरे अजय ! डरते नहीं बेटा।"

२९. "आओ, इससे तुम्हारी दोस्ती करा दें।"

३०. "जाली ! कम हियर ---- शेक हँड्स विदअजय।"

३१. "हाँ अब दोस्ती हो गई न ! अजय।"

३२. "उससे कुट्टी मत करना।"

३३. "मर गए।"

३४. "अच्छी मुसीबत गले पड़ गई है ! अब महीना भर इस बला को कैसे पालेंगे ?"

३५. "अरे भई, वे लोग एक बोरी आटा भी तो उसके लिए रख गए हैं।"

३६. "रख गए है तो क्या ! रोटी तो मुझे ही थोपनी है।"

३७. "मत बनाता तुम, मैं बना लूँगा।"

३८. "लीजिए, खिलाइये अपने लाडले को।"

३९. "भूख लगेगी तो अपने आप खा लेगा।"

४०. "हाय, यह मरा कुत्ता क्या रात को सोने भी नहीं देगा।"

४१. "इसका कुछ इलाज करो जी, वरना मैं पागल हो जाऊँगी।"

४२. "हम लोग कल ही चिट्ठी लिख देंगे।"

४३. "अच्छे बच्चे कहीं इस तरह जिद करते है।"

४४. "जाली की कोई फिकर न करें। अजय उसकी खूब देखभाल कर रहा है।"

४५. "तो जाली बाबू गए।"

४६. "माफ करना भाई साहब, बडे बेवक्त तकलीफ दे रहा हूँ।"

४७. "खाक जानता है प्यार की कीमत।."

प्र.९ वा निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **चार** वाक्यों के सही विकल्प चुनकर वह वाक्य फिर से लिखिए। **(४)**

(१) बाबू हरिदास का ----------

१) कपड़ों का कारखाना था। २) ईंटों का भट्टा था। ३) लोहे का कारखाना था।

(२) एक दिन उन्होने उस लड़के को ----------

१) नौकरी से निकाल दिया। २) अपने पास बैठाया और उसके समाचार पूछनें लगे।

३) भरपेट खाना खिलाया और कुछ रुपये दिए।

(३) मगनसिंह की माँ ----------

१) मुंशी से मिलना चाहती थी । २) हरिदास से मिलना चाहती थी।

३) प्रभुदास से मिलना चाहती थी।

(४) चारों ओर सन्नाटा छा जाने पर हरिदास ----------

१) घर चले गए। २) सो गए। ३) मंदिर के चबूतरे पर आ बैठे।

(५) प्रभुदास की शांत-वृत्ति कभी ----------

१) भंग न हुई थी। २) इतनी विचलित न हुई थी। ३) इतनी खंडित न हुई थी ।

(६) हरिदास ने प्रसन्न होकर मगनसिंह को ----------

१) मजदूरों की श्रेणी में रखा। २) बहुत ये उपहार दिए। ३) नौकरों में रखा।

(७) मगन क पास रहने के लिए ----------

१) बहुत बड़ी हवेली थी। २) सिर्फ दो कोठरियाँ थी। ३) केवल जमीन थी।

(८) चबूतरे को धरातल को खोदने के बाद ----------

१) खाली गड्ढा था। २) संगीन तहखाना था। ३) कुछ भी नहीं था।

(९) प्रभुदास ने चट्टान को ----------

१) हथौंडे से तोड़ा। २) कुदाल से खोदा। ३) बारूद से उड़ाया।

(१०) लोहे के संदूक में ----------

१) कपड़े रखे हुए थे। २) हीरे-जवाहरात रखे हुए थे ।

३) दस हजार सोने की पुरानी मोहरें रखी हुई थी।

(११) ज्वर से प्रभुदास का मुख ----------

१) काला पड़ गया। २) लाल पड़ गया । ३) पीला पड़ गया ।

(१२) साँस निकलती है पर ----------

१) आस नहीं निकलती। २) प्यास नहीं निकलती। ३) जान नहीं निकलती।

(१३) प्रभुदास ने मगनसिंह के कान में कुछ कहा और ----------

१) दरवाजे की ओर इशारा किया। २) लोहे के संदूक की ओर इशारा किया।

३) तिजोरी की ओर इशारा किया।

(१४) सह्याद्रि भी दक्षिण प्रदेश का ----------

१) पूर्व-पश्चिम अंतर नापता है। २) उत्तर-दक्षिण अंतर नापता है।

३) बहुत बड़ा अंतर नापता है।

(१५) जहाँ जाना आसान नहीं है ----------

१) वे होते हैं दुर्ग। २) वे होते हैं पहाड़। ३) वे होते हैं दर्रे।

(१६) कोंकण और देश की अबोहता में तो फर्क ही है ----------

१) बिहार में भी फर्क है। २) व्यवहार में भी फर्क है। ३) आहार में भी फर्क है।

(१७) हिमालय भारत का ----------

१) उत्तर-दक्षिण अंतर नापता है। २) संपूर्ण अंतर नापता है।

३) पूर्व-पश्चिम अंतर नापता है।

(१८) आयुर्वेद में इन फूलों से मिलनेवाले शहद के अलग-अलग ----------

१) प्रयोग बताए गए है। २) महत्त्व बताए गए है। ३) उपयोग बताए गए है।

(१९) मराठी साहित्य में सह्याद्रि के अलग-अलग ----------

१) किलों का वर्णन मिलता था। २) दुर्गों का वर्णन मिलता था।

३) गढों का वर्णन मिलता था।

(२०) सह्याद्रि के कारण महाराष्ट्र के दो विभाग होते हैं ----------

१) कोंकण और देश। २) कोंकण और प्रदेश । ३) कोंकण और स्वदेश ।

(२१) परमपिता सह्याद्रि को कोटि-कोटि ----------

१) नमन। २) प्रणाम। ३) वंदन।

(२२) प्रकृतिमाता का वह बड़ा वार्षिक ----------

१) वनोत्सव है। २) गणेशोत्सव है। ३) महोत्सव है।

(२३) सह्याद्रि तो भारत भूमि की ----------

१) पश्चिम की रीढ़ है। २) उत्तर की रीढ़ है । ३) दक्षिण की रीढ़ है।

(२४) तीनों का इतिहास मिलकर ----------

१) महाराष्ट्र का इतिहास होता है। २) भारत का इतिहास होता है ।

३) सह्याद्रि का इतिहास होता है ।

(२५) कहीं-कहीं सह्याद्रि की मुसाफिरी ----------

१) नापी जा सकती है। २) मापी जा सकती है । ३) गिनी जा सकती है ।

(२६) रिटायर हो जाने पर अवकाश का ----------

१) उत्तरदायित्व कैसे संभलेगा। २) जिम्मेदारी कैसे संभलेगा। ३) बोझ कैसे संभलेगा।

(२७) नौकरी करते समय अवकाश के दिन ----------

१) कितने अच्छे लगते हैं। २) कितने प्यारे लगते हैं। ३) कितने भोले लगते हैं।

(२८) आराम और अपनी इच्छा से श्रम करने में तो ----------

१) कोई बाधा नहीं डालेगा। २) कोई आगे नहीं आयेगा। ३) कोई पीछे नहीं जाएगा।

(२९) रिटायर होने पर मितव्ययिता के विचार से गर्मियों में ----------

१) घर जाना छोड़ दिया है। २) बाहर आना-जाना त्याग दिया है।

३) पहाड़ पर जाना छोड़ दिया है।

(३०) पहाड पर जाते तो चढाइयों पर सुविधा से चल सकने के लिए ----------

१) रस्सी खरीद लेते। २) टोपी खरीद लेते। ३) एक दो छड़ियाँ जरूर खरीद लेते।

(३१) छडी टेककर चलना उनके विचार से ----------

१) आराम का चिह्न था। २) रईसी का चिह्न था। ३) बुढापे या बुजुर्गी का चिह्न था।

(३२) पापा शापिंग के लिए जाते तो केवल ----------

१) अम्मी को साथ ले जाते थे। २) पुष्पा दीदी को साथ ले जाते थे।

३) मंटू को साथ ले जाते थे।

(३३) बच्चों को साथ ले जाना उन्हें ----------

१) पसंद नहीं था। २) पसंद था। ३) कम पसंद था।

(३४) मानों हाथ की छड़ी को टेककर उन्होंने समय को ----------

१) बदल लिया। २) ठुकरा दिया। ३) स्वीकार कर लिया।

(३५) पापा की बाहर जाने की तैयारी की आहटें ----------

१) सुनाई पड़ रही थी। २) कान में पड़ रही थी । ३) जान पड़ रही थी ।

(३६) पापा के कमरे से पुकार आई ----------

१) कोई है हजरतगंज की सवारी। २) कोई है लालगंज की सवारी ।

३) कोई है निजामगंज की सवारी।

(३७) कई क्षण पापा बिलकुल निश्चल बैठे रहे मानों ----------

१) किसी दूर की स्मृति में खो गए हो। २) किसी पास की स्मृति में खो गए हो।

३) किसी निकट की स्मृति में खो गए हो ।

(३८) एक दिन की स्मृति आँखों के सामने ----------

१) स्पष्ट दिखाई देने लगी। २) प्रत्यक्ष दिखाई देने लगी। ३) साफ दिखाई देने लगी।

(३९) हम लोग हुबिया के साथ ----------

१) बीस तीस कदम गए थे। २) बीस पच्चीस कदम गए थे।

३) पच्चीस तीस कदम गए थे।

(४०) अम्मी ने कहा ----------

१) आ मंटू, तेरा फ्राक बदल दूँ। २) आ मंटू, तेरा कपडा बदल दूँ।

३) आ मंटू, तेरा शर्ट बदल दूँ।

(४१) पोशाक के मामले में वे बिल्कुल ----------

१) बेपरवाह नहीं हो गए हैं। २) बेपरवाहीं हो गए हैं। ३) सतर्क हो गए हैं।

(४२) अजय रोज की तरह ----------

१) सीटी बजाता हुआ घर में घुसा। २) सीटी बजाता हुआ बरामदे में घुसा।

३) ताली बजाता हुआ घर में घुसा।

(४३) बरामदे में एक बड़ा अल्सेशियन कुत्ता बैठा था ----------

१) जो बिल्कुल दरबान की तरह लग रहा था। २) जो बिल्कुल शेर की तरह लग रहा था। ३) जो बहुत ही डरावना दिख रहा था।

(४४) अंकल ने कहा ----------

१) यह काटता थोडे ही है। २) यह भौंकता थोडे ही है। ३) यह परेशान थोडे ही करता है।

(४५) जाली ने अजय के पास आकर उसने ----------

१) अपना दाहिना पंजा उठाया। २) अपना पंजा उठाया। ३) अपना बाँया पंजा उठाया।

(४६) अजय, अब जाली महीने भर की छुट्टीयों में तुम्हारे घर ही रहेगा, उससे ----------

१) कुट्टी मत करना। २) दोस्ती मत करना। ३) मस्ती मत करना।

(४७) यह मुसीबत हमारे यहाँ से जल्दी ----------

१) विदा हो जाए। २) चली जाए। ३) गायब हो जाए।

(४८) हाय, यह मरा कुत्ता रात को सोने भी नहीं देगा ----------

१) चाची झल्ला रहीं थी। २) अम्मी झल्ला रहीं थी। ३) काकी झल्ला रहीं थी।

(४९) क्या पता जाली को भी ----------

१) अपनी माँ की याद आ रही हो। २) अपने घर की याद आ रही हो।

३) अंकल और आंटी की याद आ रही हो।

(५०) जब तक उसने पूरा खाना खा नहीं लिया ----------

१) अजय वहीं बैठा रहा। २) अजय वहीं घूमता रहा। ३) अजय वहीं खड़ा रहा।

(५१) अजय ने उसे थपथपाते हुए कहा ----------

१) मम्मी की याद आ रही है न ! २) आंटी की याद आ रही है न !

३) चाची की याद आ रही है न !

(५२) अगले दिन उठते ही अजय बरामदे की और दौड़ा ----------

१) 'गुड मॉर्निंग जाली'। २) 'नमस्कार जाली'। ३) 'प्रणाम जाली'।

(५३) गेट के बाहर निकलने केबाद भी अजय मुड़कर जाली को ----------

१) 'टाटा' करना नहीं भूला। २) 'टा-टा' करना नहीं भूला। ३) नमस्कार करना नहीं भूला।

(५४) अजय भूल ही गया था कि ----------

१) जाली उनके यहाँ मेहमान की तरह आया था। २) जाली उनके यहाँ रिश्तेदार की तरह आया था। ३) जाली उनके यहाँ संबंधी की तरह आया था।

(५५) मोटर की तेज हार्न से उसकी तँद्रा टूटी ----------

१) घड़ी देखी साढे दस बज रहे थे। २) दस बज रहे थे। ३) घड़ी देखी नौ बज रहे थे।

(५६) अजय की सारी शिकायतें ----------

१) आँसुओं में बह गई थी। २) निगाहों में बह गई थी। ३) आँखों से बह गई थी।

प्र.१० वा निम्नलिखित वाक्यों के अधोरेखांकित अव्ययों के भेद लिखिए। (कोई **तीन**) **(३)**

(१) उसका जहाज हिंद महासागर के बीच एक टापू पर रूका था।

(२) सचिन ने सुन रखा था कि आस्ट्रेलिया बहुत सुंदर देश है।

(३) बाहर निकला तो सेवा की टैक्सी तैयार खड़ी थी।

(४) खाओ-पिओ, लेकिन हम तुम्हारी पढाई का आगे खर्चा नहीं देंगे।

(५) वाह ! यहाँ कितने दिन रहेंगे ?

(६) आजकल छुट्टियाँ हैं, इसलिए आप अंदर जाकर कुछ देख नहीं सकेंगे।

(७) समय की कमी से मैं शायद इसे न देख पाता।

(८) उससे बाहर निकलते हुए डेविड़ ने गाडी के एक पुर्जे को इधर-उधर दबाया।

(९) सतीश ने नौजवान की ओर देखा और देखता ही रह गया।

(१०) विदा होते समय जब सतीश ने उससे हाथ मिलाया तो उसका दिल भर आया।

(११) रामू ने लड़की की ओर इशारा कर कहा।

(१२) मेरे माता-पिता बहुत नाराज हो गए।

(१३) आजकल युनीवर्सिटी की छुट्टियाँ हैं।

(१४) हाँ ! हम जरूर मिलेंगे।

(१५) उसने इमारत की ओर इशारा किया।

(१६) आपकी भावना के लिए मैं आभारी हूँ, लेकिन मैं पैसे नहीं लूँगा।

(१७) यहाँ पानी से घिरे हुए दो आदमी चिल्ला रहे हैं।

(१८) वे सहायता के लिए पुकार रहे हैं।

(१९) किसी के घर से किया था या पब्लिक बूथ से।

(२०) सहसा सब-इन्सपेक्टर सिपाहियों की ओर मुड़ा।

(२१) मैं फिर भीड के साथ खड़ा प्रतीक्षा करने लगा।

(२२) उधर वे रूस-अमेरिकावाले चांद से भी स्वयं ही उतर आते हैं।

(२३) वे लोग अभी डूबे नहीं हैं।

(२४) आधा मील लंबी रस्सी हमारे पास नहीं है।

(२५) अगली बाढ़ से पहले हम मोटर बोट खरीद लेंगे।

(२६) अब यहाँ टेलिफोन उठानेवाला कोई नहीं होगा।

(२७) पेड़ पानी में घिरा हुआ है और आध मील पानी के भीतर है।

(२८) आम जनता और शासन को एक साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

(२९) मैं अभी रुपये भेजता हूँ।

(३०) जरूर किसी ने रुपया चुराया है।

(३१) बिच्छू डंक मारने की आदत कभी नहीं छोड़ सकता।

(३२) अगर उसने नहीं लिए तो कहाँ गए।

(३३) इस कमरे में आपके अलावा और कौन-कौन आता है ?

(३४) शक ही नहीं, मुझे पूरा यकीन हैं।

(३५) क्यों बे, कितने महीने जेल में रहा।

(३६) रोया, गिड़गिड़ाया मगर पत्थर नहीं पसीजा।

(३७) कानून के बीच में दखल देना ठीक नहीं।

(३८) राम के साथ लक्ष्मण भी बन गए।

(३९) उसके पास न धन है, न दौलत।

(४०) आज मैं ने चोरी की, कल तुम कर सकते हो।

(४१) हाँ ! मैं जरूर आऊँगी।

(४२) बालक पिता की ओर देखता है।

(४३) उसे हल्की सी चोट आई, पर वह रोया नहीं।

(४४) हे राम ! अब क्या करुँ।

(४५) आज नन्हा आया था बाबूजी ?

(४६) ओह ! कितना बुखार है ?

(४७) वाह-वाह क्या बढ़िया गुलाब जामुन है।

(४८) घर के भीतर से रोने की आवाज आ रही थी।

(४९) मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूँ कि मेरे ऊपर लोगों की इतनी कृपा है।

(५०) जो बिना पूर्वसूचना के अकस्मात टपक पडे।

(५१) पृथ्वी के समान हृदय भी विशाल था।

(५२) आपको छोड़कर आखिर वे जाएँ भी कहाँ ?

(५३) इसके लिए मैं उनका अनुग्रहीत अवश्य हूँ।

(५४) पहुँचे हुए संत की तरह मैं केवल चुप रहता हूँ।

(५५) मेरे सामने एक गंभीर समस्या है।

प्र.११ वा निम्नलिखित शब्दों में सें किन्ही **चार** शब्दों कों शुद्ध स्वरूप में लिखिए। **(२)**

(१) फायर ब्रीगेड
(२) चरीत्र
(३) युनिवर्सिटी
(४) शीष्टाचार
(५) पूर्जे
(६) दुध
(७) व्यवसथा
(८) औपचारीकता
(९) बंसि
(१०) चमत्कारीक
(११) नीरंकुश
(१२) राजनीती
(१३) मंत्रमूग्ध
(१४) दरीद्रता
(१५) नीश्चल
(१६) दलीत
(१७) तेजस्वि
(१८) गतीशील
(१९) आध्यात्मीक
(२०) व्यक्तीत्व
(२१) प्रादेशीक
(२२) भागिदार
(२३) बिच्छु
(२४) झुठ
(२५) बिमार
(२६) बेरोजगारि
(२७) रूपये
(२८) एकांकि
(२९) समस्यामुलक
(३०) मजबुर
(३१) स्वाती
(३२) खुन
(३३) कबुल
(३४) भुकंप
(३५) मनहुस
(३६) प्रतीक्रिया
(३७) तबियत
(३८) बूखार
(३९) नीकटता
(४०) दिपक
(४१) जन्माष्टमि
(४२) खटीया
(४३) निर्दीष्ट
(४४) ठींगना
(४५) वीविधता
(४६) टीकाऊ
(४७) दूरदर्शि
(४८) क्षेत्रिय
(४९) प्रांतियता
(५०) सांस्कृतीक
(५१) अस्वाभावीक
(५२) अतीथी
(५३) अंतीम
(५४) कृत्रीमता
(५५) दार्शनीक
(५६) सबुत
(५७) इत्मिनान
(५८) गोरव
(५९) तहजिब
(६०) खीझाना

प्र.१२ वा निम्नलिखित अव्ययों में से किन्ही **तीन** अव्ययों का सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए। **(३)**

(१) आज
(२) कभी
(३) अक्सर
(४) लगातार
(५) सदैव
(६) हमेशा
(७) तुरंत
(८) यहाँ
(९) आगे
(१०) बाहर
(११) बिलकुल
(१२) लगभग
(१३) धीरे-धीरे
(१४) हौले-हौले
(१५) अचानक
(१६) सहसा
(१७) अनायस
(१८) अवश्य
(१९) शायर
(२०) नहीं
(२१) बराबर
(२२) आज
(२३) निरंतर
(२४) कभी-कभी
(२५) खिलाफ
(२६) आजकल
(२७) प्रायः
(२८) अथवा
(२९) इधर-उधर
(३०) कारण
(३१) बजाय
(३२) साथ
(३३) सहसा
(३४) मारे
(३५) बल्कि
(३६) ताकि
(३७) वरना
(३८) बेतरह
(३९) एकदम
(४०) सिर्फ
(४१) चुपचाप
(४२) जैसे
(४३) तुरंत
(४४) झट
(४५) आखिर
(४६) अथवा
(४७) शीघ्र
(४८) यहाँ
(४९) अवश्य
(५०) नहीं
(५१) और
(५२) सिवा
(५३) पर
(५४) भीतर
(५५) पास
(५६) लेकिन
(५७) इसलिए
(५८) कि
(५९) अभी
(६०) आह !
(६१) हाँ
(६२) सिर्फ
(६३) हमेशा
(६४) बार-बार
(६५) काफी
(६६) वजह
(६७) एकदम
(६८) काफी
(६९) प्रति
(७०) केवल

प्र.१३ वा निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **तीन** वाक्यों को सूचना के अनुसार काल बदलकर वह वाक्य फिर से लिखिए। **(३)**

(१) ईंटो का पाजावा शहद से मिला हुआ है। (पूर्ण भूतकाल)

(२) बहुत करूणाजनक दृश्य है। (सामान्य भूतकाल)

(३) वह रोटियाँ बनाकर अपनी माँ को खिलाता है। (पूर्ण भूतकाल)

(४) बाबू हरिदास मगनसिंह से प्रसन्न होते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(५) आप सौभाग्य से आ जाते है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(६) पुरखे कुछ थाती धरती माता को सौंप देते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

(७) आँखों की ज्योति तीव्र हो जाती है। (पूर्ण भूतकाल)

(८) माता सिरहाने बैठी पंखा झलती है। (अपूर्ण भूतकाल)

(९) आतिशबाजी हिले करने लगता है। (सामान्य भूतकाल)

(१०) प्रभुदास का शरीर प्राणहीन हो जाता है। (पूर्ण भूतकाल)

(११) खंभात से लेकर कन्याकुमारी तक पश्चिम सागर फैलता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(१२) हम पर्वतपुत्र आनंदविभोर हो गए। (सामान्य वर्तमानकाल)

(१३) सह्याद्रि पहाड़ किलों से सुशोभित है। (पूर्ण भूतकाल)

(१४) वे मेहनत की रोटी कमाते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(१५) घास और पेड के फूल अलग-अलग होते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

(१६) उनके आशीर्वाद आज भी हमें मिलते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(१७) मैं अपने को धन्य-धन्य समझता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(१८) मैं जवाहरलाल की हैसियत से बोलता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(१९) और जिसको महान सौभाग्य मिलता है। (पूर्ण भूतकाल)

(२०) वे हमें मनुष्यता और श्रम का गौरव सिखाते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(२१) उनके बीच संघर्ष चलता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(२२) वह स्वप्न कभी-कभी धीमा पड़ जाता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(२३) भारत सत्य के आदर्श पर कायम रहता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(२४) हम स्वतंत्र धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र बनाते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(२५) बड़े-बडे प्रश्न भुला दिये जाते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(२६) पापा की चिंता सिर उठाने लगती है। (पूर्ण भूतकाल)

(२७) अभाव होता है या मुक्ति मिलती है, केवल डयूटी की मजबूरी से। (सामान्य भविष्यकाल)

(२८) गर्मियों में पहाड़ जाना छोड़ देते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(२९) पापा के व्यवहार में कुछ परिवर्तन आते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(३०) अम्मी नया सूट बनवा लेने का अनुरोध करती हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(३१) वे सड़क पर ठोकर खा जाते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

(३२) मैं एक रोचक लेख पढ़ता हूँ। (अपूर्ण भूतकाल)

(३३) वे लडकियों को पुकार लेते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

(३४) दरवाजे पर ही उसकी साँस अटक जाती है। (सामान्य भूतकाल)

(३५) बरामदे में एक कुत्ता बैठता है। (पूर्ण भूतकाल)

(३६) वह अपना हाथ जाली की तरफ बढ़ता है। (सामान्य भूतकाल)

(३७) मैं भी जैसे जेल में बंद हो जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(३८) अच्छी मुसीबत गले पड़ जाती है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(३९) पापा को गुस्सा आ जाता है। (पूर्ण भूतकाल)

(४०) बत्तियाँ गुल कर सोने की तैयारी होती है। (अपूर्ण भूतकाल)

(४१) एक नन्हें बच्चे की तरह वह असहाय लगता है। (अपूर्ण भूतकाल)

(४२) वह बहुत बड़ा काम कर लेता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(४३) सुबह से ही दर्शकों की भीड़ लग जाती है। (पूर्ण भूतकाल)

(४४) उसे खेलने के लिए साथी मिल जाता है। (पूर्ण भूतकाल)

(४५) वह प्यार करने वाले पर जान निछावर करता है। (सामान्य भविष्यकाल)

(४६) अभिमान के मारे वहअपनी रूलाई भी रोक लेता है। (पूर्ण भूतकाल)

(४७) पापा रोज की तरह दफ्तर की गप्पें सुनाते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

(४८) अजय की सारी शिकायतें आँसुओं में बह जाती हैं। (पूर्ण भूतकाल)

(४९) मत बनाना तुम, मैं बना लेता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(५०) वह बहुत बडा काम कर लेता है। (पूर्ण भूतकाल)

(५१) सड़कों पर चिराग जलते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

(५२) नगर में एक आदमी आता है। (सामान्य भूतकाल)

(५३) आपकी थकावट एकदम गायब हो जाती है। (सामान्य भविष्यकाल)

(५४) उसकी तो सारी रात आनंद में कटती है। (सामान्य भविष्यकाल)

(५५) पीने वाले उसकी तारीफ करने लगते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(५६) नगर के तीन-चौथाई लोग उसके ग्राहक बन जाते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(५७) शराब से नशा चढ़ता है। (सामान्य भूतकाल)

(५८) वह तुम सबको गड्ढे में ढकेलता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(५९) रोने की आवाज से दिशाएँ गूँज उठती हैं। (सामान्य भूतकाल)

(६०) वह सबको अपनी मुट्ठी में कर लेता है। (पूर्ण भूतकाल)

(६१) नगर पर भारी संकट आ पड़ता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(६२) वह यह सारा धन कहाँ से लाता है ? (पूर्ण वर्तमानकाल)

(६३) हमारी अच्छी आदतें छूट जाती हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(६४) कला-कौशल कम हो जाता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(६५) राजा की आमदानी भी कम होती है। (अपूर्ण भूतकाल)

(६६) टी.वी. के दाम बहुत बढ़ जाते है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(६७) मुझे तीन हजार रुपये मिलते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(६८) अमिताभ के पिताजी मुंबई जाते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

(६९) पिताजी उसे दो रुपये देते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(७०) मैं तो बिलकुल भूल ही जाती हूँ। (पूर्ण भूतकाल)

(७१) मिसेज खत्री किस बात पर हँसती हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(७२) गाना तो मैं नहीं गा सकती। (सामान्य भविष्यकाल)

(७३) अब डॉक्टर हो जाते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(७४) आज मेरी आँखें खुल जाती है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(७५) हमें जितना मिलता है उसी में संतोष से रहते हैं। (सामान्य भविष्यत्काल)

प्र.१४ वा निम्नलिखित वाक्यों में सें किन्ही **छह** वाक्यों को शुद्ध करके पूर्ण शुद्ध वाक्य लिखिए। **(६)**

(१) उनकाआवाज सुनते ही मगनसिंह बाहर को निकल आया।

(२) कई बारआपसे बुलाने के लिए मुझको कह चुकी है।

(३) उनका आहट पाते ही आँखे खोला।

(४) बीजक मगनसिंह को पुरखों ने लिखा हुआ है।

(५) संदूक पर उन्होंने अपना आत्मा अर्पण कर दिया था।

(६) आँख उलट गईं, प्राण निकल गया।

(७) पुरखों ने कुछ थाती धरती माता को सौंप दिया था।

(८) अब आप आ गए हो तो चलकर देख लो।

(९) दवा की असर उल्टी हुई।

(१०) एक बार लोहा की संदूक की ओर इशारा किया।

(११) शाम होते ही वे घर में बाहर निकले।

(१२) वे तो मानो गरूड पक्षी के संतान है।

(१३) इन दोनों के बीच पहाड़ की आश्रय में जातियाँ रहती हैं।

(१४) घास की और पेड़ की फूले अलगअलग होत हैं।

(१५) वहाँ के सापों के बारे में कोई ने कोई लिख रखा है।

(१६) यहाँ के पहाड़ों के चट्टानों पर गुफाएँ और लयन खोदी हुई है।

(१७) ऐसी कोई खूबी पुरानी ग्रंथों में पाई जाती है।

(१८) सह्याद्रि के उँची-उँची शिखरों पर बादल बरसने लगती है।

(१९) तीनों की इतिहास मिलकर सह्याद्रि की इतिहास होती हैं।

(२०) मैं जवाहरलाल के हैसियत में बोलूँगा।

(२१) उन्होंने हमें मनुष्यता के और श्रम के गौरव सिखाया।

(२२) मुझे अपने राष्ट्रीय थाती में बड़ा गौरव है।

(२३) मैं भारत को प्रेम किया है।

(२४) हमने शांति से रहना चाहिए।

(२५) मैं आपको क्या कहूँ।

(२६) मैं भारत का सेवा करने का कोशिश किया।

(२७) सामने के सड़क में एक तरूण गाते हुए निकला।

(२८) उसकी आँखों में आँसू जारी था।

(२९) कौन-सी नौकरी तुम कर सकते हैं ?

(३०) दूसरे वर्ष अवश्य पहाड़ में जाते थे।

(३१) सब्जी की खरीद उनकी बस के नहीं।

(३२) कोट उनकी हाथ पर रह गया।

(३३) बात पापा के मन पर लग गई।

(३४) हमारी सैंडल का कील लग रहा है।

(३५) अजय सीटी बजाता घर घुसा लेकिन दरवाजे पर ही उसका साँस अटक कर रह गया।

(३६) अजय ने दरवाजे से बाहर खड़े होकर जोर से आवाज दिया।

(३७) सारी छट्टीयाँ की मजा किरकिरी हो जाएगी।

(३८) सफर तो बड़ी आनंद से कट गई थी।

(३९) अजय ने सहास बटोरी और वह उसके पास खडा हुआ।

(४०) उसके स्नेहभरे स्पर्श की जादू काम कर गई थी।

(४१) वह ने जाली से 'टा-टा' करना नहीं भूला।

(४२) अजय के सारे शिकायत आँसुओं में बह गए थे।

(४३) वह लोग जल्दी ही आ जाएगी।

(४४) आगामी शताब्दी भारत का होगा।

(४५) कभी खाने को लाले पडते।

(४६) नंगा पैरों से स्कूल जाते।

(४७) युवकों पर आपकी बडी अपेक्षाएँ है।

(४८) आप मुंबई के एक सामान्य पाठशाला का छात्र था।

(४९) तुम यह दुनिया में कुछ भी कर सकते हैं।

(५०) उनके भाषण स्वादिष्ट दावत जैसी होती हैं।

(५१) मैंने आपको पूछा।

(५२) उसने तुमको कहा।

(५३) राम ने पिता को प्रार्थना की।

(५४) वह पिताजी को मिला।

(५५) मैं आपको वादा करता हूँ।

(५६) अपने देश को प्रेम करो।

(५७) शत्रु को मदद मत करो।

(५८) गाय को दो सींग होते हैं।

(५९) वह नदी के तरफ गया।

(६०) मैं तुम्हारी साथ रहूँगा।

(६१) मेरे घर की पास एक वृक्ष है।

(६२) मेरे समझ में कुछ नहीं आता।

(६३) रात का ग्यारह बज गया था।

(६४) रोग का सबसे अच्छि औषधि निरहार है।

(६५) दशरथ राजा को चार पुत्र थे।

(६६) अनिल और सुनील स्कूल गया।

(६७) आप हमारे घर कब आएगा ?

(६८) मेरा दोस्त का पिताजी डॉक्टर है।

(६९) किसान ने गाय को देखी ।

(७०) पति ने पत्नी को बुलाई।

(७१) लड़के ने बहन को रूलाई।

(७२) मैंने आवाज सुना।

(७३) मेरा आत्मा रो रहा है।

(७४) सेनापति का मृत्यु हुआ।

(७५) सदा अच्छा खुराक खाइए।

(७६) हमें शीत की मौसम सुहाती है।

(७७) वहाँ एक व्यक्ति खड़ी था।

(७८) वह मंजिल पर पहुँच शकता है।

(७९) गांधीजी का शिक्षा पर हम किस हद तक चल सकते हैं ?

(८०) किसी को कोई बात का कमी नहीं था।

सुगोको